

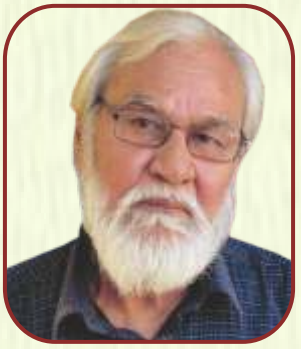

SHRI SHYAM SUNDER SHARMA

Shri Shyam Sharma is a creative artist in Print Making art. He has been continuously working in the field of print making for the last sixty years. He has been ex-Principal of College of Art (Patna University), Patna and ex-Chairman of the Advisory Committee of National Gallery of Modern Art, New Delhi.

2. Born on 8th February, 1941 in Govardhan township of Mathura District in Uttar Pradesh, Prof. Sharma graduated from Lucknow University and thereafter he did a course of Art from Art and Craft College, Lucknow. He had exclusive course in Print Making Art and acquired specialized merit. Since then, he is engaged in promoting Indian Print Making art with unabated zeal. Making new experiments in Print making technique he co-ordinated block printing to Indian Printing style. He made art tours to Finlad, Serbia, Martinegro and America on three occasions. His prints were exhibited at several national exhibitions.

3. Prof. Sharma's block paintings have been awarded by Lalit Kala Akademi, New Delhi. He bagged ten all India Awards from different art organizations. His prints have been exhibited in India as well as abroad. He was invited to several National and International Arts camps. By now he has published fifteen books. He is propagating block printing art with missionary zeal.

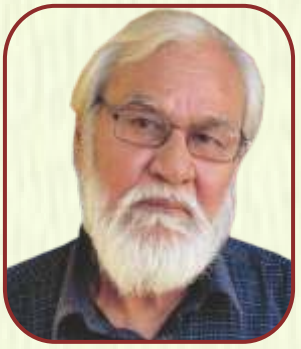



श्री श्याम शर्मा

श्री श्याम शर्मा प्रिंट मेकिंग कला के सृजनात्मक कलाकार हैं। वह पिछले 60 वर्षों से प्रिंट मेकिंग के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वह कला एवं शिल्प महाविद्यालय (पटना विश्वविद्यालय), पटना के पूर्व प्रधानाचार्य तथा राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा, नई दिल्ली की परामर्शी समिति के उपाध्यक्ष भी रहे हैं।

2. 8 फरवरी, 1941 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के गोवर्धन कस्बे में जन्मे, श्री शर्मा ने लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उसके बाद उन्होंने कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ से कला का कोर्स किया। उन्होंने प्रिंट मेकिंग आर्ट का विशेष कोर्स पूरा किया और उसमें निपुणता हासिल की। तभी से वह पूर्ण उत्साह के साथ भारतीय प्रिंट मेकिंग आर्ट को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं। प्रिंट मेकिंग तकनीक में नए प्रयोग करते हुए, उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग को भारतीय प्रिंटिंग शैली के साथ जोड़ा। वह तीन बार फिनलैंड, सर्बिया, मार्टिनेग्रो और अमेरिका की कला यात्राओं पर भी गए हैं। अनेक राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में उनके प्रिंट की प्रदर्शनी लगाई गई हैं।

3. श्री शर्मा की ब्लॉक प्रिंटिंग को ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने विभिन्न कला संगठनों की ओर से अखिल भारतीय स्तर के दस पुरस्कार प्राप्त किए। उनके प्रिंटों को भारत और विदेश में प्रदर्शित किया गया है। उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कला शिविरों में आमंत्रित किया गया है। अब तक उनकी पंद्रह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। वह अदम्य जोश के साथ ब्लॉक प्रिंटिंग कला का प्रचार–प्रसार कर रहे हैं।